METRAFENONE 500 G/L SC

Acrisio®

Fungicide

Read Leaflet before use

Acrisio (Metrafenone 500 g/l SC) is a very effective fungicide used to control powdery mildew in Grapes. Mango, Apple and Cucumber.

Chemical Composition:

Sr.No.	Ingredient	g/l
1.	Metrafenone a.i.	500.0
2.	1,2-propylene glycol	50.0
3.	Naphthalene sulphonic acid/formaldehyde condensate	25.0
4.	Complex ethylene oxide-propylene oxide	20.0
5.	Polydimethylsiloxanes + silica	4.0
6.	1,2-benzisothiazolin-3-one ca. 20% in aqueous dipropylene glycol	2.0
7.	Heteropolysaccharide	2.0
8.	De-ionized water	1.0
	Total	1000

Density :- 1.180 g/cm^3

Crop	Common name of Disease	Dosage/ha			Waiting Period (Days)
		a. i. (grams)	Formulation (ml)	Water (Liters)	
Grape	Powdery Mildew	125	250	750	22
Mango	Powdery Mildew	200	0.2L	1000	35
Apple	Powdery Mildew	187.5	0.15L	2500	42
Cucumber	Powdery Mildew	125	250	500	7

Time of Application and crop stage : Preventive application before the first symptoms of disease observed and can be applied at vegetative and fruiting stage of the Grapes, Mango & Apple and flowering and fruiting stage of the Cucumber.

Weather conditions : Should be applied preferably in the morning and evening. Avoid applications under high wind. There should not be any rainfall at least within 5 hours of application.

Soil : This is foliar application fungicide. So, hardly have any relation to soil.

Application technique, equipment type, nozzle type : The product can be sprayed with High and low volume sprayers. It can be applied by manual and tractor mounted Sprayer equipped with hollow cone nozzle using sufficient quantity of water to ensure thorough coverage.

Dosage : 250 ml of formulation in 750 litres of water per hectare for Grape, 0.2 ml of formulation per litre of water for Mango, 0.15 ml of formulation per litre of water for Apple and 250 ml of formulation in 500 litres of water per hectare for Cucumber.

Instruction for mixing : Measure out required quantity of the product and mix it well with a small quantity of water. Add the remaining quantity of water as specified through agitation.

Re-entry period : As soon as the spray dried on crop.

PHI : 22 days for Grapes, 35 days for Mango and 42 days for Apple 7days for Cucumber.

Application timing : The product can be applied as prophylactic. Should be applied preferably in the morning and evening.

Frequency including maximum number of sprays : 3-4 spray depending upon disease pressure.

Stages during which fungicide should not be applied on any crop : No restriction for crop stage. To be used to control powdery mildew in Grapes, Mango, Apple and Cucumber.

Not to be used on crops other than mentioned on this label/ leaflet.

The product is toxic to aquatic life. thus may be avoided near aquaculture. Avoid exposure to sub-lethal doses and repeated use.

Storage :

1. The packages containing the fungicide should be stored in original containers in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of food or shall be kept in separate almirahs under lock and key.
2. The rooms or premises meant for storing the fungicide shall be well built, dry, well lit and ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with vapor.

Safety Precautions :

1. Avoid inhalation and skin contact while diluting because of spillage or splashes. Do not mix with bare hands.
2. The user should use full protective clothing, which includes rubber gloves, boots, face shield and overall or rubber apron or hat.

Symptoms of poisoning: Metrafenone has low acute toxicity, it is non-irritating to eyes and skin, and has no skin sensitization potentials. The early symptoms may be any combination of nausea, vomiting, headache and sweating.

First Aid: If ingested: If person is conscious and alert, rinse mouth with water and give 1 or 2 glass of water to drink. Never give anything by mouth to an unconscious person. Call the doctor. Do not induce vomiting until and unless desired by attending physician.

If Inhaled: Take the patient to fresh air and take care of body temperature. If patient is not breathing or breathing with difficulty, give artificial respiration, preferably with mouth to mouth breathing. Consult a physician. **In case of skin contact:** Wash thoroughly with soap and plenty of water. If pain, redness or irritation persists, consult a doctor. All the contaminated clothes should be segregated and thoroughly washed with soap and water separately before use. **In case of eye contact:** Rinse gently with plenty of water at least for 15 minutes. If pain, irritation, redness or photophobia persists. Consult eye specialist

Advice to Physician : In case of poisoning treat symptomatically.

Antidote : There is no known specific antidote. Treat the patient according to the symptoms (Decontamination, Vital function).

Warning : Dangerous to reuse empty containers.

Disposal Of Containers:

1. Packages or surplus materials and washing from the machines and containers should be disposed off in safe manner so as to prevent environmental and water pollution.
2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use.
3. Packages shall be broken and buried away from habitation.

Manufactured by : BASF Agri-Production S.A.S, Zone Industrielle Lyon Nord, Rue Jacquard 69727, Genay Cedex, France.

Imported, re-packed and marketed by : BASF India Limited

Registered office: The Capital, 1204-C, 12th floor, Plot no.C-70, 'G' Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai- 400051.

Factory: Unit No. 4 ,Village Nimbua, P. O Mubarakpur-140201,Tehsil Dera Bassi, Distt. Mohali , Punjab.

English

मेट्राफेनोन ५०० ग्रा/लि एससी

एक्रिसिओ™

(फफूँदनाशक)

प्रयोग से पहले पर्ची पढ लें

एक्रिसिओ (मेट्राफेनोन ५०० ग्रा/लि एससी) यह एक बहुत असरदार फफूँदनाशक है जिसका इस्तेमाल अंगूर, आम, सेब और खीरा में आनेवाले रोग पाउडरी मिल्ड्यू के नियंत्रण के लिये किया जाता है।

रासायनिक घटक :

अनु. क्र.	घटक	(ग्रा/लि)
१.	मेट्राफेनोन (सक्रिय घटक)	५००.०
२.	१,२-प्रोपिलिन ग्लाइकोल	५०.०
३.	नॅफ्थलीन सल्फोनीक ॲसिड/फारमलहाईड कन्डेन्सिट	२५.०
४.	कॉम्प्लेक्स इथिलिन ऑक्साईड/प्रोपीलीन ऑक्साईड	२०.०
५.	पॉलिडाइमिथाइलसिलोक्सेन + सिलीका	४.०
६.	१,२-बेन्झीसोथिअझोलिन-३-वन सीए	
	२०%-ॲक्वेयिरस डायप्रोपिलीन ग्लायकोल	२.०
७.	हेटेरोपॉलीसाकराईड	२.०
८.	डी-आयोनाइज्ड पानी	पर्याप्त मात्रा
	कुल	१०००

घनत्व : १.१८० ग्राम/सी.मी.^{3}

फसल	रोग का प्रचलित नाम	मात्रा/हेक्टेअर			प्रतीक्षा अवधि (दिन)
		स.त. (ग्राम)	फॉर्म्यूलेशन (मिलि)	पानी (लीटर)	
अंगूर	पाउडरी मिल्ड्यू	१२५	२५०	७५०	२२
आम	पाउडरी मिल्ड्यू	२००	०.२/ली	१०००	३५
सेब	पाउडरी मिल्ड्यू	१८७.५	०.१५/ली	२५००	४२
खीरा	पाउडरी मिल्ड्यू	१२५	२५०	५००	७

प्रयोग का समय एवं उपयोग के लिए फसल की प्रस्थिति : अंगूर की फसल में पौध वृद्धि तथा फल आने की अवस्था, आम और सेब की फसल में फल आने की अवस्था, खीरा की फसल में फूल एवं फल की अवस्था में रोग के शुरूआती लक्षण नजर आने से पहले बचावकारी इस्तेमाल किया जा सकता है।

मौसम सम्बंध : खुश्क और शांत के समय इस्तेमाल करना ज्यादा बेहतर होता है। जब तेज हवा चल रही हो तो छिड़काव करने से बचे। छिड़काव के बाद ५ घंटे तक वर्षा नही होनी चाहिए।

मृदा : यहां फफूंदनाशक का पत्ती छिड़काव किया जाता है। इसलिए मिट्टी से इसका तकरीबन कोई रिश्ता नहीं है।

उपयोग तकनीक, उपस्कर प्रकार, नोजल प्रकार : इस दवा का छिड़काव उच्च तथा कम वॉल्यूम वाले स्प्रेयर्स के जरिए किया जा सकता है। इसका छिड़काव मैन्युअल तथा ट्रैक्टर पर लगे स्प्रेयर यंत्र से होल कोन नोजल के जरिए किया जा सकता है, पर्याप्त मात्रा में पानी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए ताकि पूरी फसल को कवर किया जा सके।

मात्रा : अंगूर – प्रति हेक्टेअर ७५० लीटर पानी में २५० मिली फॉर्म्यूलेशन । आम –प्रति लीटर पानी मे० २ मिली फॉर्म्यूलेशन। सेब–प्रति लीटर पानी मे०.१५ मिली फॉर्म्यूलेशन। खीरा – प्रति हेक्टेअर ५०० लीटर पानी में २५० मिली फॉर्म्यूलेशन ।

मिश्रण के लिए अनुदेश : दवा की मापी हुई मात्रा को थोड़े से पानी में घोलें। फिर एक विलोडक की मदद से पानी की निर्धारित बॉकी मात्रा को इसमें अच्छी तरह मिला दें।

पुन:प्रवेश की अवधि : फसल पर छिड़काव के सूखने के बाद।

पूर्व फसल का अंतराल : अंगूर २२ दिन, आम ३५ दिन, सेब ४२ दिन, खीरा ७ दिन

उपयोग का समय निर्धारण : दवा का इस्तेमाल प्रोफायलेक्टिक के रूप में किया जा सकता है। सुबह और शाम के समय छिड़काव करना ज्यादा बेहतर होता है।

आवृत्ति जिसके अंतर्गत छिड़काव की अधिकतम संख्या : बीमारी की स्थिति के अनुसार ३–४ छिड़काव।

प्रस्थिति जिसके दौरान फफूँदनाशक किसी फसल पर अनुपयुक्त नहीं होगें : फसल की अवस्था के बारे में कोई प्रतिबंध नहीं। इसका इस्तेमाल अंगूर, आम, सेब और खीरा की फसल में पाउडरी मिल्ड्यू की रोकथाम के लिए किया जाना चाहिए।

लेबल और पर्ची पर उल्लिखित न होने की स्थिति में, इसका प्रयोग फसल पर न करें।

यह उत्पाद जलीयजीवों के लिए हानिकारक है। जलाशयों के क्षेत्रों में प्रयोग ना करें। उप–घातक चुराक का एक्सपोजर और बार बार इस्तेमाल से बचें।

भंडारण :

१. फफूँदनाशक के डिब्बों का भंडारण अन्य वस्तुओं खासतौर से खाद्य–पदार्थ रखे जाने के कमरों या परिसर से दूर अलग कमरों या परिसरों में या फफूँदनाशक की मात्रा तथा प्रकृति के अनुसार अलग अलमारियों में ताला बंद करके किया जाना चाहिए।
२. फफूँदनाशक के भंडारण हेतु कमरे या परिसर अच्छी तरह निर्मित, हवादार, पर्याप्त रोशनी व हवा की आवाजाही वाले एवं काफी बड़े होने चाहिए ताकि उसकी वाष्प से प्रदूषण न हो।

सुरक्षा सावधानियां :

१. घोल बनाते समय उसके छलके या छिटकने से त्वचा पर लगने या सांस द्वारा अंदर जाने से रोकें, खाली हाथ से घोल न बनाएं।
२. इस्तेमालकर्ता को पूर्णत: सुरक्षाकारी वस्त्र पहनने चाहिए, जिसमें रबर के दस्ताने, बूट, चेहरे का नकाब और रबर का पूरा एप्रन तथा हैट शामिल है।

विषाक्त के लक्षण : मेट्राफेनोन एक जल दीप्ताता विषाक्तता है अँख और त्वचा में झुंझलाहट नही होती है और त्वचा के लिये कोई संवेदनशील क्षमता नहीं है। प्रारंभिक लक्षणों में मतली, उल्टी, सिर दर्द और पसीना आने की संभावना है।

प्रथमोपचार : निगलने पर : मरीज सजग हो तो, मुँह पानी से धोएँ और १–२ गिलास पानी पिलाएँ बेहोशी की हालत में मुहसे कुछ न दे। तुरंत डॉक्टर को बुलाए डॉक्टर की सलाह बिना उल्टी ना करवाए। **सूंघ लेने पर :** मरीज को ताजी हवा में ले जाए। उसके शरीर के तापमान का खयाल रखे। अगर वो साँस नहीं ले रहा हो या साँस लेने में तकलीफ हो तो कृत्रिम श्वसन दें। अधिकतर मुँह में फूंक मार कर होश में लाने की कोशिश करें डॉक्टर की सलाह लें। **त्वचा के संपर्क में आने पर :** साबून और पानी से अच्छी तरह धोएँ। अगर दर्द लालिमा और झुंझलाहट हो तो डॉक्टर की सलाह लें। दूषित कपड़े अलग निकालकर साबून और पानी से अच्छी तरह से धोकर ही इस्तेमाल करें। **आँखों के संपर्क में आने पर :** पानी से हलके से १५ मिनट तक धोएँ। दर्द, लालिमा और फोटोफोबिया हो तो आँखों के डॉक्टर की सलाह लें।

चिकित्सक को सलाह : विषबाधा होने पर मरीज का उपचार लक्षणानुसार करें।

विष निवारण : कोई विशिष्ट विष निवारण नहीं है। मरीज का उपचार लक्षणानुसार करें।

चेतावनी : खाली डिब्बों का पुन: उपयोग के लिए खतरनाक।

कंटेनरों/उपयोग किये गये आधारों का सुरक्षित निपटान :

१. डिब्बों या बची हुई सामग्रियों तथा मशीनों और डिब्बों की धोवन का निपटारा सुरक्षित तरीके से इस प्रकार करना चाहिए कि पर्यावरण या जल प्रदूषण न हो।
२. खाली डिब्बों को खुले में नहीं फेंकना चाहिए ताकि उनका दोबारा इस्तेमाल न हो।
३. डिब्बों को तोड़–फोड़कर रिहायशी स्थानों से दूर जमीन में गाड़ दिया जाना चाहिए।

निर्माता द्वारा : बीएएसएफ एग्री–प्रॉडक्शन एस ए एस, झोन इंडस्ट्रीइली, ल्योन नोर्ड, रुई जैकर्ड –६९७२७, जीने सीडेक्स, फ्रांस।

आयातकर्ता, पुन:पैकिंगकर्ता तथा विपणनकर्ता : बीएएसएफ इंडिया लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : दि कैपिटल, १२०४–सी, १२वी मंज़िल, प्लॉट नं. सी–७०, 'जी' ब्लॉक, बान्द्रा–कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बान्द्रा (पूर्व), मुंबई–४०००५१.

फैक्टरी : यूनिट नं. ४, गांव निंबुआ, पो. मुबारकपूर, तहसिल देरा बस्सी, जिला. मोहाली, पंजाब–१४०२०१.

Hindi

મેટ્રાફેનોન ૫૦૦ જી/એલ એસસી

એક્રિશિયો™

(ફૂગનાશક)

ઉપયોગ પૂર્વે પત્રક વાંચો

એક્રિશિયો (મેટ્રાફેનોન ૫૦૦ ગ્રા/લિ એસસી) દ્રાક્ષ, કેરી, સફરજન અને કાકડીમાં ભૂકી છારો કાબૂમાં રાખવા માટે અત્યંત અસરકારક ફૂગનાશક છે.

રાસાયણિક સંયોજન :

અનુક્રમ	ઘટક	(ગ્રા/લિ)
૧.	મેટ્રાફેનોન એ.આઈ.	૫૦૦.૦
૨.	૧,૨–પ્રોપાયલીન ગ્લાયકોલ	૫૦.૦
૩.	નેપ્થાલીન સલ્ફોનીક એસિડ/ફોર્મલડિહાઇડ કન્ડેન્સેટ	૨૫.૦
૪.	કૉમ્પ્લેક્સ ઇથિલીન ઑક્સાઇડ/પ્રોપીલીન ઑક્સાઇડ	૨૦.૦
૫.	પોલિડાઇમિથાઇલસિલોક્સેન + સિલિકા	૪.૦
૬.	૧,૨–બેન્ઝીસોથિઅઝોલિન-૩–વન લીર ૨૦%	૨.૦
૭.	હેટેરોપૉલીસેકેરાઇડ	૨.૦
૮.	ડિ–આયોનાઇઝ્ડ પાણી	૧.૦
	કુલ	૧૦૦૦

ઘનતા : ૧.૧૮૦ ગ્રા/સેમી^{3}

પાક	રોગનું સામાન્ય નામ	માત્રા/હેક્ટર			છોભવાનો સમયગાળો (દિવસો)
		એ.આઈ. (ગ્રા)	સંરચના (મિલિ)	પાણી (લિટર)	
દ્રાક્ષ	ભૂકી છારો	૧૨૫	૨૫૦	૭૫૦	૨૨
કેરી	ભૂકી છારો	૨૦૦	૦.૨/લિ	૧૦૦૦	૩૫
સફરજન	ભૂકી છારો	૧૮૭.૫	૦.૧૫/લિ	૨૫૦૦	૪૨
કાકડી	ભૂકી છારો	૧૨૫	૨૫૦	૫૦૦	૭

છંટકાવની સમય અને પાકનો તબક્કો : રોગનાં પ્રથમ લક્ષણ દેખાય તે પૂર્વે પ્રતિબંધાત્મક છંટકાવ અને દ્રાક્ષ, કેરી અને સફરજનની વનસ્પતિની અને ફળ આવવાના તબક્કામાં અને કાકડીનાં ફૂલ અને ફળ આવવાના તબક્કામાં છંટકાવ કરી શકાય છે.

હવામાનની સ્થિતિ : સવારે અને સાંજે છંટકાવ કરવાનો આગ્રહ રાખવો જોઇએ. ભારે પવન હોય તો છંટકાવ કરવાનું ટાળો. છંટકાવના કમસેકમ ૫ કલાક પૂર્વે કોઇ વરસાદ પડેલો ન હોવો જોઇએ.

માટી : આ પાન પર છંટકાવ કરવાનું ફૂગનાશક છે. આથી માટી સાથે તેને ભાગ્યે જ કોઇ સંબંધ છે.

છંટકાવની રીત, ઉપકરણનો પ્રકાર, નોઝલનો પ્રકાર : આ ઉત્પાદન ઉચ્ચ અને નીચી માત્રાનાં સ્પ્રેયરોથી છંટકાવ કરવો જોઇએ. તે વ્યાપક આવરણની ખાતરી રાખવા માટે પાણીની પૂરતી માત્રાનો ઉપયોગ કરીને હોલો કોન નોઝલ સાથેના મેન્યુઅલ અને ટ્રેક્ટર પર ગોઠવેલા સ્પ્રેયરથી છંટકાવ કરી શકાય છે.

માત્રા : દ્રાક્ષ માટે હેક્ટર દીઠ ૭૫૦ લિટર પાણીમાં ૨૫૦ મિલિ સ્પ્રેયા, કેરી માટે લિટર દીઠ પાણીમાં ૦.૨ મિલિ સ્પ્રેયા, સફરજન માટે લિટર દીઠ પાણીમાં ૦.૧૫ મિલિ સ્પ્રેયા અને કાકડી માટે હેક્ટર દીઠ ૫૦૦ લિટર પાણીમાં ૨૫૦ મિલિ સ્પ્રેયા.

મિશ્રણ કરવા માટે સૂચના : ઉત્પાદનની આવશ્યક માત્રા લો અને પાણીની ઓછી માત્રામાં સારી રીતે મિશ્રણ કરો. સ્પ્રેયર તૈયાર કરવા માટે નિર્ધારિત અનુસાર હવે બાકી પાણીની માત્રા પછા ઉમેરી દો.

પુનઃપ્રવેશનો સમયગાળો : પાકમાં છંટકાવ સુકાતાં જ તાત્કાલિક.

પીએચઆઈ : દ્રાક્ષ માટે ૨૨ દિવસ, કેરી માટે ૩૫ દિવસ, સફરજન માટે ૪૨ દિવસ અને કાકડી માટે ૭ દિવસ.

છંટકાવનો સમય : આ ઉત્પાદન પ્રોફાયલેક્ટિક તરીકે છંટકાવ કરી શકાય. સવારે અને સાંજે છંટકાવ કરવાને પ્રાધાન્ય આપવું જોઇએ.

છંટકાવની મહત્તમ સંખ્યા સાથે સાતત્યતા : રોગના દબાણને આધારે ૩–૪ છંટકાવ.

કોઈ પાક પાક પર ફૂગનાશકનો છંટકાવ નહીં કરી શકાય એવા તબક્કા : પાકના તબક્કાનું કોઇ નિયંત્રણ નથી. દ્રાક્ષ, કેરી, સફરજન અને કાકડીમાં ભૂકી છારો કાબૂમાં લેવા માટે ઉપયોગ કરવો.

આ લેબલ/લીફલેટમાં ઉલ્લેખ વિનાના પાક પર ઉપયોગ નહીં કરશો.

આ ઉત્પાદન દરિયાઇ જીવો માટે ઝેરી છે, જેથી મત્સ્યપાલન નજીક ઉપયોગ ટાળવો જોઇએ. સબ–લીથલ ડોઝને સહનુભાવ અને વારંવાર ઉપયોગ ટાળો.

સંગ્રહની શરતો :

૧. ફૂગનાશક ધરાવતા પાત્રોને અન્ય પદાર્થો સંગ્રહ કરાતી જગ્યા કે ઓરડીથી દૂર અલગ જગ્યા કે ઓરડીમાં અથવા ફૂગનાશકની માત્રા અને પ્રકાર આધારે અલગ કબાટમાં તાળું–ચાવી મારીને સંગ્રહ કરવા જોઇએ.
૨. ફૂગનાશકના સંગ્રહ માટેની જગ્યા કે ઓરડી યોગ્ય બાંધકામ ધરાવતી, સૂકી, યોગ્ય હવા ઉજાસ ધરાવતી અને પૂરતા વિસ્તારવાળી હોવી જોઇએ જેથી વરાળનો ભરાવો ન થાય.

સુરક્ષાની સાવચેતીઓ :

૧. મિશ્રણ કરવા સમયે ઝોળાવાથી કે છલકી ઊડ્યાથી શ્વાસમાં જવાનું કે ત્વચા સાથે સંપર્ક થવાનું ટાળો. ખુલ્લા હાથે મિશ્રણ નહીં કરતા.
૨. ઉપભોક્તાએ સંપૂર્ણ સંરક્ષણાત્મક કપડાં પહેરવાં, જેમ કે, રબરનાં હાથમોજાં, બૂટાં, ચહેરા પરનું શિલ્ડ અને એકંદર અથવા રબર એપ્રોન અથવા હેટ.

ઝેરનાં લક્ષણો : મેટ્રોફેનોનમાં નીચી તીવ્રતાનું ઝેરીપણું છે, જે આંખો અને ત્વચામાં દાહક સોજો પેદા કરતું નથી અને ત્વચાની સંવેદનાની સંભાવના પણ નથી. પહેલાં લક્ષણોમાં ઊબકા, ઊલટી, માથામાં દર્દ અને પરસ્વેદ પડતી પરસેવાની ઉત્પત્તિ હોઇ શકે છે.

પ્રાથમિક ઉપચાર : જો પેટમાં જાય તો : જો વ્યક્તિ ભાનમાં અને સતર્ક હોય તો મોઢું પાણીમાં ડુબાડો અને પીવા માટે ૧ કે ૨ ગ્લાસ પાણી આપો. બેભાન વ્યક્તિને કશું પણ મોઢા વડે આપવો નહીં. ડૉક્ટરને બોલાવો. તબીબ કહે નહીં ત્યાં સુધી બળજબરીથી ઊલટી નહીં કરાવવો. **જો શ્વાસમાં જાય :** દર્દીને તાજી હવામાં અવર લાવો અને શરીરના તાપમાનનું ધ્યાન રાખો. જો દર્દી શ્વાસ લેતો ન હોય અથવા શ્વાસ લેવામાં મુશ્કેલી પડતી હોય તો અગ્રતાની રીતે મોઢાથી ફૂંકમ શ્વાસ આપો. તબીબની જાણ કરો. **ત્વચા સાથે સંપર્ક થવાના કિસ્સામાં :** ભરપૂર પાણી અને સાબુથી ધોવો. આમ છતાં જો બળતરા, દર્દ કે ખંજવાળ નહીં જાય તો ડૉક્ટરને બોલાવો. બધાં દૂષિત કપડાં અલગ કરવાં જોઇએ અને ફરી ઉપયોગ કરવા પૂર્વે સાબુ અને પાણીથી અલગથી ધોવા જોઇએ. **આંખો સાથે સંપર્ક થવા પર :** કમસેકમ ૧૫ મિનિટ સુધી ભરપૂર પાણીમાં બોળી રાખો. જો તે છતાં દર્દ, ખંજવાળ, લાલાશ કે ફોટોફોબિયા યથાવત રહે તો નેત્ર નિષ્ણાતને બતાવો.

તબીબને સલાહ : ઝેર લાગ્યું થયું હોય તો લક્ષણ મુજબ ઉપચાર કરો.

પ્રતિકારક : કોઇ ચોક્કસ પ્રતિકારક જ્ઞાત નથી. દર્દીને લક્ષણ (ડિકોન્ટામિનેશન, વિટલ ફંક્શન) પ્રમાણે ઉપચાર કરો. **ચેતવણી :** ખાલી ડબ્બાઓ ફરીથી ઉપયોગ કરવાનું ખતરનાક છે.

ઉપયોગ કરેલ ડબ્બાનો સુરક્ષિત નિકાલ :

૧. પેકેજો અથવા વધારાની સામગ્રીઓ અને મશીન તથા ડબ્બાઓના ધોવારાનું પાણી સુરક્ષિત રીતે નિકાલ કરવાં, જેથી પર્યાવરણીય અને જળ પ્રદૂષણ ટાળે.
૨. ઉપયોગ કરેલાં પેકેજોનો પુનઃ ઉપયોગ થવાનું ટાળવા માટે તે બહાર ખુલ્લામાં નહીં છોડી દેતા.
૩. પેકેજો તોડી નાખવાં અને માનવી વસ્તીથી દૂર દાટી દેવાં.

ઉત્પાદક : બીએએસએફ એગ્રી–પ્રોડક્શન એસ.એ.એસ. ઝોન ઇન્ડસ્ટ્રિયલ લિયોન નોર્ડ, રયુ જેકર્ડ – ૬૯૭૨૭, જીને સેડેક્સ, ફ્રાન્સ.

આયાત, રિપેક કરનાર અને વિક્રેતા : બીએએસએફ ઇન્ડિયા લિમિટેડ

નોંધણીકૃત કચેરી : દિ કેપિટલ, ૧૨૦૪–સી, ૧૨વી માળ, પ્લોટ નં. સી–૭૦, 'જી' બ્લોક, બાંદ્રા–કુર્લા કૉમ્પ્લેક્સ, બાંદ્રા (પૂર્વ), મુંબઈ–

ફેક્ટરી : યુનિટ નં. ૪, ગાંવ નિંબુઆ, પી.ઓ. મુબારકપુર–૧૪૦૨૦૧, તહેસીલ ડેરા બસ્સી, જિલા. મોહાલી, પંજાબ–

Gujarati

मेट्राफेनोन ५०० ग्रॅ/लि एससी

ॲक्रिसिओ™

(बुरशीनाशक)

वापर करण्यापूर्वी पत्रक वाचा

ॲक्रिसिओ (मेट्राफेनोन ५०० ग्रॅ/लि एससी) हे द्राक्ष, आंबा, सफरचंद आणि काकडीवरील पावडरी मिल्ड्यू (भूरी) वर नियंत्रण मिळविण्यासाठी वापरावयाचे अत्यंत प्रभावी बुरशीनाशक आहे.

रासायनिक संरचना :

अनु. क्र.	घटक	(ग्रॅ/लि)
१.	मेट्राफेनोन (स. घ.)	५००.०
२.	१,२–प्रॉपिलिन ग्लायकोल	५०.०
३.	नाफ्थालिन सल्फोनिक ॲसिड/फॉर्मलडिहाइड कन्डेन्सेट	२५.०
४.	कॉम्प्लेक्स एथिलिन ऑक्साइड–प्रॉपिलिन ऑक्साइड	२०.०
५.	पॉलिडायमिथाइलसिलोक्सलेन्स + सिलिका	४.०
६.	जलमय डायप्रॉपीलिन ग्लायकोलमध्ये १,२–बेन्झिसोथीअझोलिन–३–वन सीए २०%	२.०
७.	हेटेरोपॉलीसेकेराइड	२.०
८.	डि–आयनाइज्ड पाणी	१.०
	एकूण	१०००

घनता : १.१८० ग्रॅ/सेमी^{3}

पीक	रोगाचे सामान्य नाव	मात्रा/हेक्टर			प्रतीक्षा कालावधी (दिवस)
		स.घ. (ग्रॅम्स)	रसायन (मिली)	पाणी (लीटर्स)	
द्राक्ष	पावडरी मिल्ड्यू (भूरी)	१२५	२५०	७५०	२२
आंबा	पावडरी मिल्ड्यू (भूरी)	२००	०.२/ली	१०००	३५
सफरचंद	पावडरी मिल्ड्यू (भूरी)	१८७.५	०.१५/ली	२५००	४२
काकडी	पावडरी मिल्ड्यू (भूरी)	१२५	२५०	५००	७

वापरायची वेळ व पिकाचा टप्पा : रोगाची प्राथमिक लक्षणे दिसून येण्यापूर्वी प्रतिबंधात्मक स्वरूपात आणि द्राक्ष, आंबा आणि सफरचंदाच्या पानी लागण्याच्या व फळे लागण्याच्या टप्प्यावर तसेच काकडीसाठी फुले लागण्याच्या व फळे लागण्याच्या टप्प्यावर याचा वापर केला जाऊ शकतो.

वातावरणची स्थिती : सकाळी सकाळी व संध्याकाळी वापरण्याच्या यासे जोरात वारा असल्यास फवारणी करू नये. वापरानंतर किमान ५ तासांच्या दरम्यान पाऊस अजिबात पडता कामा नये.

माती : हे पर्णसंगोपनावर वापर करावयाचे बुरशीनाशक आहे. त्यामुळे मातीबरोबर याचा काहीच संबंध नाही.

वापराचे तंत्र, उपकरणाचा प्रकार, नोझलचा प्रकार : हे उत्पादन हाय आणि लो व्हॉल्युम स्प्रेअरच्या साह्याने फवारणी करता येऊ शकते. यामे व्यवस्थित आच्छादन होण्याची खात्री व्हावी म्हणून पुरेशा पाण्याचा वापर करून होली कोन नोझल बसविलेल्या मानवी पद्धतीने आणि ट्रॅक्टरवर बसविलेल्या स्प्रेअरच्या साह्याने फवारणी करता येऊ शकते।

मात्रा : द्राक्ष हेक्टरमध्ये द्राक्षासाठी ७५० लिटर पाण्यात २५० मिलि द्रावण, आंब्यासाठी प्रत्येक लिटरमध्ये ०.२ मि.लि., सफरचंदासाठी प्रत्येक लिटर पाण्यात ०.१५ मिलि द्रावण तसेच दर हेक्टरमध्ये काकडीसाठी ५०० लिटर पाण्यात २५० मिलि द्रावण,

मिश्रणासाठी सूचना : उत्पादनाची आवश्यक मात्रा मोजून घ्या आणि ती थोड्याशा पाण्यात नीट कव्वळून घ्या. हलवूनच आवश्यक ते उरलेले पाणी मिसळा.

पुर्वापार कालावधी : फिकारलेले फवारणी सुकल्यानंतर तात्काळीच.

पीएचआय : द्राक्षासाठी २२ दिवस, आंब्यासाठी ३५ दिवस, सफरचंदासाठी ४२ दिवस आणि काकडीसाठी ७ दिवस.

वापरायची वेळ : हा उत्पादनाचा प्रतिबंधक म्हणून वापर करता येऊ शकतो. शक्यतो सकाळी व संध्याकाळी वापर करावा.

फवारणीच्या कमाल संख्येसह वारंवारिता : रोगाच्या प्रभावानुसार ३–४ फवारण्या.

कोणत्याही पिकावर बुरशीनाशकाचा वापर करू नये असे टप्पे : पिकाच्या टप्प्यांचे बंधन नाही. द्राक्ष, आंबा, सफरचंद आणि काकडीवरील भुरीवर नियंत्रण मिळविण्यासाठी वापरण्यात यावे.

हा लेबल/माहितीपत्रकात नमूद केलेल्या पिकाव्यतिरिक्त इतर पिकांवर उपयोग करू नये.

हे उत्पादन जलचर जीवांसाठी विषकारक आहे म्हणून मत्स्यशेतीजवळ त्याचा वापर करण्याचे टाळले पाहिजे. सब–लेथल पातळीवरील मात्रा आणि वारंवार वापर करण्याचे टाळण्यात आले पाहिजे.

साठवणाची पद्धत :

१. बुरशीनाशकांची पॅकेजेस स्वतंत्ररित्या खोलीमध्ये किंवा अथवा जागी ठेवावी ती इतर पदार्थ साठवण्याच्या खोलीपासून दूर असायी अथवा स्वतंत्ररित्या कुलूपबंद कपाटात ठेवावीत.
२. बुरशीनाशके ठेवण्याची खोली किंवा जागा व्यवस्थित बांधकाम असलेली कोरडी हवाप्रकाशाचे खेळवण असलेली आणि बाष्पीभवनामुळे प्रदूषण होणार नाही एवढ्या आकारमानाची असावी.

सुरक्षिततेची खबरदारी :

१. द्रावण तयार करताना सांडणे आणि शिंतोडे उडण्यामुळे श्वासामाटे आत जाणे आणि त्वचेशी संपर्क टाळावा. उघड्या हाती मिश्रण तयार करू नका.
२. उपयोग करणाऱ्या व्यक्तीने संपूर्ण संरक्षक कपड्यांचा उपयोग करावा. रबरी ग्लोव्ज, बूटस, फेस शिल्ड आणि संपूर्ण कपडे किंवा रबरी ॲप्रन किंवा हॅटचा उपयोग करावा.

विषबाधेची लक्षणे: मेट्रोफेनोनमां नीची तीव्रतानुं ज़ेरीपणुं छे, जे आंखो अने त्वचामां दाहक सोजो पेदा करतुं नथी अने त्वचाथी संवेदनानी संभावनाय पण नथी. पहेलां लक्षणोमां ऊबकाश, ऊलटी, माथामां दर्द अने पसीनो आवी शकवानी संभावना छे.

प्राथमिक उपचार : पोटात गेलेले असल्यास : व्यक्ति शुद्धिवर आणि सावध असेल तर तोंड पाण्याने धुवून घ्या व १ ते २ ग्लास पाणी प्यायला द्या. बेशुद्ध व्यक्तिला तोंडाद्वारे कधीही काहीही देऊ नका. डॉक्टरांना बोलवा. उपचार करणाऱ्या डॉक्टरांनी सांगितल्याशिवाय ओकारया काढू नका.

श्वासात गेल्यास : रुग्णाला मोकळ्या हवेत हलवा आणि शारीरिक तापमानाची काळजी घ्या. रुग्ण श्वासोच्छ्वास करीत नसेल किंवा त्याला श्वासोच्छ्वास करण्यास अडचण येत असेल तर शक्यतो तोंडाद्वारे श्वसन देऊन कृत्रिम श्वासोच्छ्वास द्या. डॉक्टरांचा सल्ला घ्या. **त्वचेशी संपर्क आल्यास:** साबण व भरपूर पाणी घेऊन धुवून काढा. वेदना, तांबूसपणा किंवा दाह सुरू राहिल्यास डॉक्टरांचा सल्ला घ्या. सर्व दूषित कपडे वेगळे केलेले नंतरच वापरावे आणि पुन्हा वापर करण्यापूर्वी साबण आणि पाणी वांच्या साह्याने स्वतंत्ररित्यांचा वेगळे धुवून घ्यावेत. **डोळ्यांशी संपर्क आल्यास:** भरपूर पाणी घेऊन कमीत कमी १५ मिनिटे हलकेच हबके मारा. वेदना, दाह, तांबूसपणा किंवा प्रकाशभुरुके होणारा त्रास सुरू राहिल्यास नेत्रविशारद डॉक्टरांचा सल्ला घ्या.

फिजिशिअनसाठी सल्ला : विषबाधा झाल्यास लक्षणांनुसार उपचार करा.

उतारा : कोणताही खास ज्ञात उतारा नाही. रुग्णाला लक्षणांप्रमाणे उपचार द्यावेत (संसर्ग नाहिसा करणे, प्रमुख कार्ये).

धोक्याची सूचना : रिकाम्या कंटेनरचा पुनरुपयोग करणे धोकादायक आहे.

**वापरल

মেট্রোফেনন ৫০০ জি/এল এসসি

অ্যাক্রিসিও™

(ছত্রাকনাশক)

ব্যবহারের পূর্বে লিফলেট পড়ুন

অ্যাক্রিসিও (মেট্রোফেনন ৫০০ জি/এল এসসি) হচ্ছে আঙুর, আম এবং আপেল আর শশার ফসলের পাউডারী মিলডিউ নিয়ন্ত্রণ করতে ব্যবহৃত অত্যন্ত প্রভাবনাময় ছত্রাকনাশক।

রাসায়নিক নাম :

রাসায়নিক বস্তু / উপাদান (গ্রাম/লিটার)

১. মেট্রোফেনন সত্ত্ব ৫০০.০
২. ১,২-প্রোপাইলিন ব্লাইকল ৫০.০
৩. ন্যাফথালিন সালফোনিক অ্যাসিড/ফর্মালডিহাইড ঘনীভবন ২৫.০
৪. কমপ্লেক্স ইথাইলিন অক্সাইড-প্রোপাইলিন অক্সাইড ২০.০
৫. পলিডাইমিথাইলসিলক্সানে + সিলিকা ৪.০
৬. আকুমান ডাইপ্রোপাইলিন ব্লাইকলে ১,২-বেঞ্জিসোথিয়াজোলিন-৩-ওয়ান সিএ ২০% ২.০
৭. বিটিয়োপানিয়াকারাইড ২.০
৮. ডি-আয়োনাইজড জল ২.০
মোট **১০০০**

ঘনত্ব : ১.১৮০ গ্রাম/ঘন সেমিমি[3]

ফসল	রোগের সাধারণ নাম	মাত্রা/হেক্টর			অপেক্ষার সময়কাল (দিন)
		সহ উঃ (গ্রাম)	ফর্মুলেশন (মিলিলিঃ)	জল (লিঃ)	
আঙুর	পাউডারী মিলডিউ	১২৫	২৫০	৭৫০	২২
আম	পাউডারী মিলডিউ	২০০	০.২/লিঃ	১০০০	৩৫
আপেল	পাউডারী মিলডিউ	১৮৭.৫	০.১৫/লিঃ	২৫০০	৪২
শশা	পাউডারী মিলডিউ	১২৫	২৫০	৫০০	৭

প্রয়োগের সময় ও ফসলের পর্যায়: রোগের প্রথম লক্ষণাদি পরিলক্ষিত হওয়ার পূর্বে প্রতিরোধমূলক প্রয়োগ এবং আঙুর, আম ও আপেলের বনস্পতির বিস্তার ও ফলধারণ পর্যায়ে আর শশার ফুল ও ফলধারণ পর্যায়ে প্রয়োগিত হতে পারবে।

আবহাওয়ার অবস্থাদি : সকালে ও বিকেলে আর্দ্রাধিক্য ভাবে প্রয়োগিত হতেই হবে। প্রচণ্ড গরমের সময়ে অপিচ প্রয়োগ করা এড়াবে। প্রয়োগের অব্যবহিত ৫ ঘণ্টার মধ্যেই কোনও বৃষ্টিপাত হওয়া চলবে না।

মাটি: এটা পাতায় প্রয়োগের ছত্রাকনাশক। সুতরাং, মাটির সঙ্গে অতীব কোনও সম্পর্ক আছে।

প্রয়োগ কৌশল, সরঞ্জামের প্রকার, নজলের প্রকার : এই উৎপাদ উচ্চ এবং নিম্ন ভলুম দেয়ারার সহযোগে স্প্রে করতে পারা যাবে। আগাগোড়া আওতাভুক্ততা সুনিশ্চিত করতে পর্যাপ্ত পরিমাণ জল ব্যবহার করে ছত্রাক কোন্ নজল্ লাগানো মাল্লুবাল এবং ট্রাক্টর মাউন্টেড স্প্রেয়ার দ্বারা প্রয়োগিত হতে পারবে।

মাত্রা : আঙুরের জন্যে হেক্টর পিছু ৭৫০ লিটার জলে ২.০ মিলিলিঃ ফর্মুলেশন, আমের জন্যে প্রতি লিটার জলে ০.২ মিলিলিঃ ফর্মুলেশন এবং আপেলের জন্যে প্রতি লিটার জলে ০.১৫ মিলিলিঃ ফর্মুলেশন, শশার জন্যে হেক্টর পিছু ৫০০ লিটার জলে ২৫০ মিলিলিঃ ফর্মুলেশন।

দোপাটের জন্যে নির্দেশ : প্রয়োজনীয় পরিমাণে উৎপাদ দোপাটে দিন এবং এটা আর পরিমাণ জলে ভালোভাবে দেশান। তারপরে সুনির্দিষ্ট করা মতো আগাগোড়া তোলপাড় করে বাদবাকী জল দেশান।

পুনঃ প্রয়োগের সময়কাল : ফসলের ওপর স্প্রে শক্তিয়ে যাওয়া মাত্র।

পিএইচআই : আঙুরের জন্যে ২২ দিন, আমের জন্যে ৩৫ দিন এবং আপেলের জন্যে ৪২ দিন, শশার জন্যে ৭ দিন।

প্রয়োগের সময় : এই উৎপাদ প্রোফেল্যাক্টিক হিসাবে প্রয়োগিত হতে পারবে। সকালে ও বিকেলে আর্দ্রাধিক্য ভাবে প্রয়োগিত হতেই হবে।

স্প্রে করার সর্বাধিক বার সম্পর্কে বারবারতা : রোগের চাপের ওপর নির্ভর ক'রে ৩-৪ বার স্প্রে।

যে পর্যায়গুলো চলাকালীন কোনও ফসলের ওপর ছত্রাকনাশক প্রয়োগিত হবেই না : ফসলের পর্যায়ের জন্যে কোনও নিষেধাজ্ঞা নেই। আঙুরের, আম এবং আপেল আর শশা ফসলের পাউডারী মিলডিউ নিয়ন্ত্রণ করতে ব্যবহৃত হবে।

এই লেবেল / লিফলেটে উল্লেখিত ছাড়া অন্য কোনও ফসলে ব্যবহৃত হবে না।

এই উৎপাদ জলজ জীবের প্রতি বিপজ্জনক। তাই জলজাঞ্চল নিকটে এড়াতে হবে। প্রাণঘাতী অধীন মাত্রাদির প্রতি প্রকটিত এবং পুনঃপুনঃ ব্যবহার এড়ান।

মনুষ্যকলেবরের অবস্থা :

১. ছত্রাকনাশক সম্বলিত পাত্র অন্যান্য পদার্থ মনুষ্যের অন্য দ্রব্যাদির ঘর বা হাল থেকে দূরে পৃথক ঘর বা হালে মজুত করতে হবে অথবা পৃথক আলমারিতে তালা বন্ধ করে রাখতে হবে।
২. ছত্রাকনাশক মনুষ্যকলেবর ঘর বা হালটি ইঁটের তৈরি সুনির্মিত, শুকরো, সুআয়াতিত, বাতাহিত এবং বাষ্পশাত্রর দ্বারা হওয়া সংরক্ষণ এড়াতে পর্যাপ্ত পরিসরযুক্ত।

সুরক্ষা ব্যবস্থাদ্বারা :

১. ফোঁটাদ্বারা বা ছলকানোর কারণে ত্বকীবিকলাদের সময়ে খাদ্য যাওয়া বা ত্বকের সংস্পর্শে আসা এড়াবেন। খালি হাত দিয়ে দেশাবেন না।
২. ব্যবহারকারীকে সম্পূর্ণ সুরক্ষাকৃবচ পোশাক পরিধান করতে হবে, যাতে সামিল থাকবে ওভারাল হাতমোজা, হুটিয়ালো, মুখের ঢাল এবং গগলসমূহ বা রাবারের গামছার বা হুঁপির।

বিষাক্ততার লক্ষণাদি : ম্যেট্রোফেনন কম তীব্র বিষাক্তকা আছে, এটা চোখ ও ত্বকের প্রতি উত্তেজক নয় এবং ত্বকে সঙ্কাষ্য সংবেদনশীলতা দেই। প্রাণ্ডিক লক্ষণাদি হিসাবে গাঢ়মি, কাঁপা, মাথাধরা এবং ঘাম হওয়ার সম্ভাব ঘটিতে পারে।

প্রাথমিক চিকিৎসা : গিলে ফেলেছে : ব্যক্তি সচেতন ও সতর্ক থাকলে, জল দিয়ে মুখ ধুইয়ে গিলেই বমন ১ বা ২ গেলাস জল পান করতে দেবেন। অচেতন ব্যক্তিকে কখনোই মুখের মধ্যে কোনকিছু দেবেন না। ডাক্তার ডাকবেন। উপশিষ্ট খাদ্য ডাক্তারের হিমত না থাকা পর্যন্ত বমি করতে প্রোচাচিত করবেন না। **শ্বাসে গেলে :** রোগীকে মুক্ত বায়ুতে সরিয়ে দেবেন এবং শরীরের তাপমাত্রার প্রতি যত্ন নেবেন। রোগী শ্বাস না নিলে বা কষ্ট ক'রে শ্বাস নিলে, কৃত্রিম শ্বাসকার্য নেবেন, মুখ দিয়ে শ্বাস দেওয়া হ'লে আগে হয়। চিকিৎসকের পরামর্শ নেবেন। **ত্বকের সংস্পর্শে ক্ষেত্রে :** সাবান ও প্রচুর জল দিয়ে ত্বক ধোবেন। ক্ষয়া, লালচাভাব বা অন্যকি নাত্রোচলাদা হ'লে, ডাক্তারের পরামর্শ নেবেন। সন্ধ দৃষ্টির প্রোশাক পর্যন্ত কলাদের এবং ব্যবহার করার পূর্বে আলাদাভাবে সাবান ও জল দিয়ে কাচবেন। **চোখের সংস্পর্শের ক্ষেত্রে:** কমপক্ষে ১৫ মিনিট ধরে প্রচুর জল দিয়ে হাঁকাতাবে চোখ ধোবেন এবং যন্ত্রণা, অস্বস্তি, লালচাভাব বা দেখটিদেখিয়া নাত্রোচলাদা হ'লে, চক্ষুবিশেষজ্ঞের সঙ্গে আলোচনা করবেন।

চিকিৎসকের প্রতি পরামর্শ : বিষাক্ততার ক্ষেত্রে লক্ষণসমূহের বেরোশী প্রয়োগ করেন।

বিষাক্ততার লক্ষণাদি : লিগে ফেলাদ ক্ষণিকতাক (বিষাক্ততার কোনও সুনির্দিষ্ট লক্ষণ দেই)। ত্বকের সংস্পর্শের ঘারা সংবেদনশীলতার কারণ হতে পারে।

সতর্কীকরণ : খালি পাত্রটি পুনর্ব্যবহার করা নিষিদ্ধকরু।

ব্যবহৃত পাত্রাদির নিরাপদ নিবাসিকরণ :

১. পাত্রকগুলো বার ঠিকৃত পদার্থ এবং মেশিন এবং পাত্রাদি ধোয়াদি তরলাদি এমন নিরাপদ উপায়ে নিষ্পত্তিকরতে হবে, যাতে পরিবেশ ও জলের দূষণ প্রতিরোধ হয়।
২. ব্যবহৃত পাত্রের পুনর্ব্যবহার প্রতিরোধ করতে তেহা যতদ্রুত দেশের ভাঙানো না।
৩. পাত্র ডেচে জলনদীর থেকে দূরে পুঁতে ফেলতে হবে।

নিষাত : বিধকসাঙ্কর অ্যাপ্রী-প্রোডাকশন এস.এ.এস, জোন ইন্ডাস্ট্রিয়েল লিসান নর্ড, রুই ক্যাডুরমার্ড ৬৯৮২৭, ফিনে লিয়েজ, ফ্রান্স।

আমদানি, পুনঃ-পাত্র এবং বিপণকদার : বিধকসমহ ইন্ডিয়া লিমিটেড

পঞ্জীকৃত কার্যালয়: ৩ কাংটিয়ান, ১২০৪-সি, ১২ তলা, প্লট নং সি-৭০, 'জি' ব্লক, বান্দ্রা-কুর্লা কমপ্লেক্স, বান্দ্রা (পূর্ব), মুম্বই-৪০০০৫১.

কারখানা : ইউনিট নং ৪, গ্রাম-নিম্বুয়া, পোঃ অঃ- মুরাদনগর-১৪৩২০১, মহকুমা- দেরা বাসসি, জেলা- মোহালি, পাঞ্জাব।

মেট্রোফেনোন্ ৫০০ জি/এল্ এস্সি

আক্রিযিও™

(ফঙ্গিনাশক)

প্রয়োগ করিবা আগরু পঢ়িবা দরকু

আক্রিযিও (মেট্রোফেনোন্ ৫০০ জি/এল্ এস্সি) হেউছি এক ঊর্দ্ধবাহী ফঙ্গিনাশক, যাহাকু আঙ্গুর, আম, বেত ও কাকুড়ি'র পাউডিরী রোগ বিয়গুরু রাখি অতেয়াস করায়াএ।

রাসায়নিক বাণ্ডবাণ :

ক্রমিক নং উপাদান (গ্রা./লিঃ)

১. মেট্রোফেনন সত্ত ৫০০.০
২. ১,২-প্রোপাইলিন গ্লাইকল ৫০.০
৩. ন্যাফথালিন সালফোনিক অ্যাসিড/ফর্মালডিহাইড ঘনীভবন ২৫.০
৪. কমপ্লেক্স ইথাইলিন অক্সাইড-প্রোপাইলিন অক্সাইড ২০.০
৫. পলিডাইমিথাইলসিলক্সানে + সিলিকা ৪.০
৬. আকুমান ডাইপ্রোপাইলিন গ্লাইকলে ১,২-বেঞ্জিসোথিয়াজোলিন-৩-ওয়ান সিএ ২০% ২.০
৭. বিটিয়োপানিয়াকারাইড ২.০
৮. ডি-আয়োনাইজড জল ২.০
মোট **১০০০**

ঘনত্ব : ১.১৮০ গ্রাম/ঘন সেমিমি[3]

ফসল : ১.৫৮০ জি/সিএ[2]

পাবল	রোগের রোগজীবাণুর নাম	মাত্রা/হেক্টরে			অপেক্ষা আবুরু (দিনমান)
		স.জ. (গ্রা.)	ফর্মুলেক্সন্ (মি.লি.)	পানী (লিঃরে)	
আঙুর	পাউডিরী রোগ	৮৭৪	৭৯০	৩৬০	৭৭
আম	পাউডিরী রোগ	৭০০	০.৯/জিলা	৫০০০	৭৪
বেত	পাউডিরী রোগ	৫৮.৪	০.৫৪/জিলা	৭৪০০	৪৭
কাকুড়ি	পাউডিরী রোগ	৫৭৪	৭৯০	৪০০	৩

প্রয়োগ সময় ও ফসলের পর্যায়: রোগের প্রথম লক্ষণাদি পরিলক্ষিত হওয়ার পূর্বে প্রতিরোধমূলক প্রয়োগ এবং আঙুর, আম ও আপেলের বনস্পতির বিস্তার ও ফলধারণ পর্যায়ে আর শশার ফুল ও ফলধারণ পর্যায়ে প্রয়োগিত হতে পারবে।

আবহাওয়ার অবস্থাদি : সকালে ও বিকেলে আর্দ্রাধিক্য ভাবে প্রয়োগিত হতেই হবে। প্রচণ্ড গরমের সময়ে অপিচ প্রয়োগ করা এড়াবেন। প্রয়োগের অব্যবহিত ৫ ঘণ্টার মধ্যেই কোনও বৃষ্টিপাত হওয়া চলবে না।

মাটি: এটা পাতায় প্রয়োগের ছত্রাকনাশক। সুতরাং, মাটির সঙ্গে অতীব কোনও সম্পর্ক আছে।

প্রয়োগ কৌশল, সরঞ্জামের প্রকার, নজলের প্রকার : এই উৎপাদ উচ্চ এবং নিম্ন ভলুম দেয়ারার সহযোগে স্প্রে করতে পারা যাবে। আগাগোড়া আওতাভুক্তকতা সুনিশ্চিত করতে পর্যাপ্ত পরিমাণ জল ব্যবহার ক'রে হয়েরা কোন্ নজল্ লাগানো মাল্লুবাল এবং ট্রাক্টর মাউন্টেড স্প্রেয়ার দ্বারা প্রয়োগিত হতে পারবে।

মাত্রা : আঙুরের জন্যে হেক্টর পিছু ৭৮০ লিটার জলে ২.০ মিলিলিঃ ফর্মুলেক্সন, আমের জন্যে প্রতি লিটার জলে ০.২ মিলিলিঃ ফর্মুলেক্সন এবং আপেলের জন্যে প্রতি লিটার জলে ০.১৫ মিলিলিঃ ফর্মুলেক্সন, শশার জন্যে হেক্টর পিছু ৫০০ লিটার জলে ২৫০ মিলিলিঃ ফর্মুলেক্সন।

দোপাটের জন্যে নির্দেশ : প্রয়োজনীয় পরিমাণে উৎপাদ দোপাটে দিন এবং এটা আর পরিমাণ জলে ভালোভাবে দেশান। তারপরে সুনির্দিষ্ট করা মতো আগাগোড়া তোলপাড় ক'রে বাদবাকী জল দেশান।

পুনঃ প্রয়োগের সময়কাল : ফসলের ওপর স্প্রে শক্তিয়ে যাওয়া মাত্র।

পিএইচআই : আঙুরের জন্যে ২২ দিন, আমের জন্যে ৩৫ দিন এবং আপেলের জন্যে ৪২ দিন, শশার জন্যে ৭ দিন।

প্রয়োগের সময় : এই উৎপাদ প্রোফেল্যাক্টিক হিসাবে প্রয়োগিত হতে পারবে। সকালে ও বিকেলে আর্দ্রাধিক্য ভাবে প্রয়োগিত হতেই হবে।

স্প্রে করার সর্বাধিক বার সম্পর্কে বারবারতা : রোগের চাপের ওপর নির্ভর ক'রে ৩-৪ বার স্প্রে।

যে পর্যায়গুলো চলাকালীন কোনও ফসলের ওপর ছত্রাকনাশক প্রয়োগিত হবেই না : ফসলের পর্যায়ের জন্যে কোনও নিষেধাজ্ঞা নেই। আঙুরের, আম এবং আপেল আর শশা ফসলের পাউডারী মিলডিউ নিয়ন্ত্রণ করতে ব্যবহৃত হবে।

এই লেবেল / লিফলেটে উল্লেখিত ছাড়া অন্য কোনও ফসলে ব্যবহৃত হবে না।

এই উৎপাদ জলজ জীবের প্রতি বিপজ্জনক। তাই জলজাঞ্চল নিকটে এড়াতে হবে। প্রাণঘাতী অধীন মাত্রাদির প্রতি প্রকটিত এবং পুনঃপুনঃ ব্যবহার এড়ান।

মনুষ্যকলেবের অবস্থা :

১. ছত্রাকনাশক সম্বলিত পাত্র অন্যান্য পদার্থ মনুষ্যের অন্য দ্রব্যাদির ঘর বা হাল থেকে দূরে পৃথক ঘর বা হালে মজুত করতে হবে অথবা পৃথক আলমারিতে তালা বন্ধ করে রাখতে হবে।
২. ছত্রাকনাশক মনুষ্যকলেবের ঘর বা হালটি ইঁটের তৈরি সুনির্মিত, শুকরো, সুআয়াতিত, বাতাহিত এবং বাষ্পশাত্রর দ্বারা হওয়া সংরক্ষণ এড়াতে পর্যাপ্ত পরিসরযুক্ত।

সুরক্ষা ব্যবস্থাদ্বারা :

১. ফোঁটাদ্বারা বা ছলকানোর কারণে ত্বকীবিকলাদের সময়ে খাদ্য যাওয়া বা ত্বকের সংস্পর্শে আসা এড়াবেন। খালি হাত দিয়ে দেশাবেন না।
২. ব্যবহারকারীকে সম্পূর্ণ সুরক্ষাকৃবচ পোশাক পরিধান করতে হবে, যাতে সামিল থাকবে ওভারাল হাতমোজা, হুটিয়ালো, মুখের ঢাল এবং গগলসমূহ বা রাবারের গামছার বা হুঁপির।

বিষাক্ততার লক্ষণাদি : ম্যেট্রোফেনন কম তীব্র বিষাক্তকা আছে, এটা চোখ ও ত্বকের প্রতি উত্তেজক নয় এবং ত্বকে সঙ্কাষ্য সংবেদনশীলতা দেই। প্রাণ্ডিক লক্ষণাদি হিসাবে গাঢ়মি, কাঁপা, মাথাধরা এবং ঘাম হওয়ার সম্ভাব ঘটিতে পারে।

প্রাথমিক চিকিৎসা : গিলে ফেলেছে : ব্যক্তি সচেতন ও সতর্ক থাকলে, জল দিয়ে মুখ ধুইয়ে গিলেই বমন ১ বা ২ গেলাস জল পান করতে দেবেন। অচেতন ব্যক্তিকে কখনোই মুখের মধ্যে কোনকিছু দেবেন না। ডাক্তার ডাকবেন। উপশিষ্ট খাদ্য ডাক্তারের হিমত না থাকা পর্যন্ত বমি করতে প্রোচাচিত করবেন না। **শ্বাসে গেলে :** রোগীকে মুক্ত বায়ুতে সরিয়ে দেবেন এবং শরীরের তাপমাত্রার প্রতি যত্ন নেবেন। রোগী শ্বাস না নিলে বা কষ্ট ক'রে শ্বাস নিলে, কৃত্রিম শ্বাসকার্য নেবেন, মুখ দিয়ে শ্বাস দেওয়া হ'লে আগে হয়। চিকিৎসকের পরামর্শ নেবেন। **ত্বকের সংস্পর্শে ক্ষেত্রে :** সাবান ও প্রচুর জল দিয়ে ত্বক ধোবেন। ক্ষয়া, লালচাভাব বা অস্বস্তি নাত্রোচলাদা হ'লে, ডাক্তারের পরামর্শ নেবেন। সন্ধ দৃষ্টির প্রোশাক পর্যন্ত কলাদের এবং ব্যবহার করার পূর্বে আলাদাভাবে সাবান ও জল দিয়ে কাচবেন। **চোখের সংস্পর্শের ক্ষেত্রে:** কমপক্ষে ১৫ মিনিট ধরে প্রচুর জল দিয়ে হাঁকাতাবে চোখ ধোবেন এবং যন্ত্রণা, অস্বস্তি, লালচাভাব বা দেখটিদেখিয়া নাত্রোচলাদা হ'লে, চক্ষুবিশেষজ্ঞের সঙ্গে আলোচনা করবেন।

চিকিৎসকের প্রতি পরামর্শ : বিষাক্ততার ক্ষেত্রে লক্ষণসমূহের বেরোশী প্রয়োগ করেন।

বিষাক্ততার লক্ষণাদি : লিগে ফেলাদ ক্ষণিকতাক (বিষাক্ততার কোনও সুনির্দিষ্ট লক্ষণ দেই)। ত্বকের সংস্পর্শের ঘারা সংবেদনশীলতার কারণ হতে পারে।

সতর্কীকরণ : খালি পাত্রটি পুনর্ব্যবহার করা নিষিদ্ধকরু।

ব্যবহৃত পাত্রাদির নিরাপদ নিবাসিকরণ :

১. পাত্রকগুলো বার ঠিকৃত পদার্থ এবং মেশিন এবং পাত্রাদি ধোয়াদি তরলাদি এমন নিরাপদ উপায়ে নিষ্পত্তিকরতে হবে, যাতে পরিবেশ ও জলের দূষণ প্রতিরোধ হয়।
২. ব্যবহৃত পাত্রের পুনর্ব্যবহার প্রতিরোধ করতে তেহা যতদ্রুত দেশের ভাঙানো না।
৩. পাত্র ডেচে জলনদীর থেকে দূরে পুঁতে ফেলতে হবে।

নিষাত : বিধকসাঙ্কর অ্যাপ্রী-প্রোডাকশন এস.এ.এস, জোন ইন্ডাস্ট্রিয়েল লিসান নর্ড, রুই ক্যাডুরমার্ড ৬৯৮২৭, ফিনে লিয়েজ, ফ্রান্স।

আমদানি, পুনঃ-পাত্র এবং বিপণকদার : বিধকসমহ ইন্ডিয়া লিমিটেড

পঞ্জীকৃত কার্যালয়: ৩ কাংটিয়ান, ১২০৪-সি, ১২ তলা, প্লট নং সি-৭০, 'জি' ব্লক, বান্দ্রা-কুর্লা কমপ্লেক্স, বান্দ্রা (পূর্ব), মুম্বই-৪০০০৫১.

কারখানা : ইউনিট নং ৪, গ্রাম-নিম্বুয়া, পোঃ অঃ- মুরাদনগর-১৪৩২০১, মহকুমা- দেরা বাসসি, জেলা- মোহালি, পাঞ্জাব।

মেট্রাফোনোন্ 500 জি/এল্ এস্সি

অক্রিসিওম্™

(শিলীন্দ্রনাশক)

ব্যবহারণাত্মক মেলবা হজরূপরু ঊনিবিরু

অক্রিসিওম (মেট্রাফোনোন 500 জি/এল্ এস্সি) হেউছি এক ঊর্দ্ধবাহী শিলীন্দ্রনাশক, যাহাকু আঙ্গুর, আম, বেত ও কাকুড়ি'র পাউডিরী রোগ বিয়গুরু রাখি অতেয়াস করায়াএ।

রাসায়নিক কাম্পোনেন্ট:

ক্রমাংক	ঘটক	গ্রা/লি.
1.	মেট্রাফোনোন সত্ত.	500.0
2.	1, 2 প্রপ্যানেল গ্লৈকল	50.0
3.	ন্যাফথলিন সালফোনিক এসিড ফরমালডিহাইড কন্ডেন্সেট	25.0
4.	কমপ্লেক্স ইথাইলিন অক্সাইড প্রপ্যাইলিন অক্সাইড	20.0
5.	সিলিকা সহিত পলিডাইমিথাইলসিলক্সান + সিলিকা	4.0
6.	1, 2 বেঞ্জিসোথিয়াজোলিন-3-ওন সিএ 20% জলীয়	2.0
7.	বিটিয়োপানিয়াকারাইড	2.0
8.	ডি ডেমিনেরালাইজড বারি	1.0
		1000

সাংদ্রতা : 1.180 গ্রা/সি.মি.[3]

ফসল : ১.৫৮০ জি/সিএ[2]

পাবল	রোগের সাধারণ নাম	মাত্রা/হেক্টরে			অপেক্ষা আবুরু (দিনমান)
		স.জ. (গ্রা.)	ফ্রাক্সান্সলেক্স (মি.লি.)	পানী (লিঃরে)	
কাকুড়ি	ঊনবা রোগ	125	250	750	22
মাবেরু	ঊনবা রোগ	200	0.2/লেক্সেন্ট	1000	35
শিলা	ঊনবা রোগ	187.5	0.15/লেক্সেন্ট	2500	42
সিকিরুমা	ঊনবা রোগ	125	250	500	7

প্রয়োগসময় এবং ফসলের পর্যায়: রোগের প্রথম লক্ষণাদি পরিলক্ষিত হওয়ার পূর্বে প্রতিরোধমূলক প্রয়োগ এবং আঙুর, আম ও বেতের বনস্পতির ও পত্রিকা বিস্তারের সময়ে প্রয়োগিত হওয়া বাঞ্ছিত পত্রের মূল ঊর্দ্ধতা ও পত্রিকা উত্পাদনের প্রয়োগ করায়াএ যাইব। ঊনবা রোগের প্রয়োগ করিবা বাঞ্ছনীয়। রোগ্য পত্রের বোহুরুবা পরায়ণের প্রয়োগ ঘণ্টারু। ঊনবা করিবিবা অন্তত ৪ ঘণ্টা পর্যন্ত বর্ষা হেবা অনুচিত।

মৃত্তিকা : এহা বেহেরি উদ্ভবিজ্জ শিলীন্দ্রনাশক। তেবে মৃত্তিকা সহিত কৌতুকী সম্পর্ক আছি।

প্রয়োগ বিধি, প্রয়োগরে ও যেনেকুরি ঘরণা : বেহি ঊর্দ্ধবাহু ঘাত ও হাত ঊন্নুরা শ্রেণরে ঘরণা শিল্পাগার যাইব। পরাণ্ড গাড়ুগাড় বা ট্রাক্টরুরে লাগিবা মাউন্টেড স্প্রেয়ার দ্বারা প্রয়োগ করিবা পারেবু ঊনবা রোগ্য পত্রের মূল ঊর্দ্ধতা ও পত্রিকা উত্পাদনের প্রয়োগ করায়াএ।

মাত্রা : পত্রপুরা গাড়ুরে ঊনবুরু হেক্টর পিছু ৭৮০ লিটার জলে ২.০ মিলিলিঃ ফর্মুলেক্সন, আমের জন্যে প্রতি লিটার জলে ০.২ মিলিলিঃ ফর্মুলেক্সন এবং আপেলের জন্যে প্রতি লিটার জলে ০.১৫ মিলিলিঃ ফর্মুলেক্সন, শশার জন্যে হেক্টর পিছু ৫০০ লিটার জলে ২৫০ মিলিলিঃ ফর্মুলেক্সন।

দোপাটের জন্যে নির্দেশ : প্রয়োজনীয় পরিমাণে উৎপাদ দোপাটে দিন এবং এটা আর পরিমাণ জলে ভালোভাবে দেশান। তারপরে সুনির্দিষ্ট করা মতো আগাগোড়া তোলপাড় ক'রে বাদবাকী জল দেশান।

পুনঃ প্রয়োগের সময়কাল : ফসলের ওপর স্প্রে শক্তিয়ে যাওয়া মাত্র।

পিএইচআই : আঙুরের জন্যে ২২ দিন, আমের জন্যে ৩৫ দিন এবং আপেলের জন্যে ৪২ দিন, শশার জন্যে ৭ দিন।

প্রয়োগের সময় : এই উৎপাদ প্রোফেল্যাক্টিক হিসাবে প্রয়োগিত হতে পারবে। সকালে ও বিকেলে আর্দ্রাধিক্য ভাবে প্রয়োগিত হতেই হবে।

স্প্রে করার সর্বাধিক বার সম্পর্কে বারবারতা : রোগের চাপের ওপর নির্ভর ক'রে ৩-৪ বার স্প্রে।

যে পর্যায়গুলো চলাকালীন কোনও ফসলের ওপর ছত্রাকনাশক প্রয়োগিত হবেই না : ফসলের পর্যায়ের জন্যে কোনও নিষেধাজ্ঞা নেই। আঙুরের, আম এবং আপেল আর শশা ফসলের পাউডারী মিলডিউ নিয়ন্ত্রণ করতে ব্যবহৃত হবে।

এই লেবেল / লিফলেটে উল্লেখিত ছাড়া অন্য কোনও ফসলে ব্যবহৃত হবে না।

এই উৎপাদ জলজ জীবের প্রতি বিপজ্জনক। তাই জলজাঞ্চল নিকটে এড়াতে হবে। প্রাণঘাতী অধীন মাত্রাদির প্রতি প্রকটিত এবং পুনঃপুনঃ ব্যবহার এড়ান।

মনুষ্যকলেবের অবস্থা :

১. ছত্রাকনাশক সম্বলিত পাত্র অন্যান্য পদার্থ মনুষ্যের অন্য দ্রব্যাদির ঘর বা হাল থেকে দূরে পৃথক ঘর বা হালে মজুত করতে হবে অথবা পৃথক আলমারিতে তালা বন্ধ করে রাখতে হবে।
২. ছত্রাকনাশক মনুষ্যকলেবের ঘর বা হালটি ইঁটের তৈরি সুনির্মিত, শুকরো, সুআয়াতিত, বাতাহিত এবং বাষ্পশাত্রর দ্বারা হওয়া সংরক্ষণ এড়াতে পর্যাপ্ত পরিসরযুক্ত।

সুরক্ষা ব্যবস্থাদ্বারা :

১. ফোঁটাদ্বারা বা ছলকানোর কারণে ত্বকীবিকলাদের সময়ে খাদ্য যাওয়া বা ত্বকের সংস্পর্শে আসা এড়াবেন। খালি হাত দিয়ে দেশাবেন না।
২. ব্যবহারকারীকে সম্পূর্ণ সুরক্ষাকৃবচ পোশাক পরিধান করতে হবে, যাতে সামিল থাকবে ওভারাল হাতমোজা, হুটিয়ালো, মুখের ঢাল এবং গগলসমূহ বা রাবারের গামছার বা হুঁপির।

বিষাক্ততার লক্ষণাদি : ম্যেট্রোফেনন কম তীব্র বিষাক্তকা আছে, এটা চোখ ও ত্বকের প্রতি উত্তেজক নয় এবং ত্বকে সঙ্কাষ্য সংবেদনশীলতা দেই। প্রাণ্ডিক লক্ষণাদি হিসাবে গাঢ়মি, কাঁপা, মাথাধরা এবং ঘাম হওয়ার সম্ভাব ঘটিতে পারে।

প্রাথমিক চিকিৎসা : গিলে ফেলেছে : ব্যক্তি সচেতন ও সতর্ক থাকলে, জল দিয়ে মুখ ধুইয়ে গিলেই বমন ১ বা ২ গেলাস জল পান করতে দেবেন। অচেতন ব্যক্তিকে কখনোই মুখের মধ্যে কোনকিছু দেবেন না। ডাক্তার ডাকবেন। উপশিষ্ট খাদ্য ডাক্তারের হিমত না থাকা পর্যন্ত বমি করতে প্রোচাচিত করবেন না। **শ্বাসে গেলে :** রোগীকে মুক্ত বায়ুতে সরিয়ে দেবেন এবং শরীরের তাপমাত্রার প্রতি যত্ন নেবেন। রোগী শ্বাস না নিলে বা কষ্ট ক'রে শ্বাস নিলে, কৃত্রিম শ্বাসকার্য নেবেন, মুখ দিয়ে শ্বাস দেওয়া হ'লে আগে হয়। চিকিৎসকের পরামর্শ নেবেন। **ত্বকের সংস্পর্শে ক্ষেত্রে :** সাবান ও প্রচুর জল দিয়ে ত্বক ধোবেন। ক্ষয়া, লালচাভাব বা অস্বস্তি নাত্রোচলাদা হ'লে, ডাক্তারের পরামর্শ নেবেন। সন্ধ দৃষ্টির প্রোশাক পর্যন্ত কলাদের এবং ব্যবহার করার পূর্বে আলাদাভাবে সাবান ও জল দিয়ে কাচবেন। **চোখের সংস্পর্শের ক্ষেত্রে:** কমপক্ষে ১৫ মিনিট ধরে প্রচুর জল দিয়ে হাঁকাতাবে চোখ ধোবেন এবং যন্ত্রণা, অস্বস্তি, লালচাভাব বা দেখটিদেখিয়া নাত্রোচলাদা হ'লে, চক্ষুবিশেষজ্ঞের সঙ্গে আলোচনা করবেন।

চিকিৎসকের প্রতি পরামর্শ : বিষাক্ততার ক্ষেত্রে লক্ষণসমূহের বেরোশী প্রয়োগ করেন।

বিষাক্ততার লক্ষণাদি : লিগে ফেলাদ ক্ষণিকতাক (বিষাক্ততার কোনও সুনির্দিষ্ট লক্ষণ দেই)। ত্বকের সংস্পর্শের ঘারা সংবেদনশীলতার কারণ হতে পারে।

সতর্কীকরণ : খালি পাত্রটি পুনর্ব্যবহার করা নিষিদ্ধকরু।

ব্যবহৃত পাত্রাদির নিরাপদ নিবাসিকরণ :

১. পাত্রকগুলো বার ঠিকৃত পদার্থ এবং মেশিন এবং পাত্রাদি ধোয়াদি তরলাদি এমন নিরাপদ উপায়ে নিষ্পত্তিকরতে হবে, যাতে পরিবেশ ও জলের দূষণ প্রতিরোধ হয়।
২. ব্যবহৃত পাত্রের পুনর্ব্যবহার প্রতিরোধ করতে তেহা যতদ্রুত দেশের ভাঙানো না।
৩. পাত্র ডেচে জলনদীর থেকে দূরে পুঁতে ফেলতে হবে।

নিষাত : বিধকসাঙ্কর অ্যাপ্রী-প্রোডাকশন এস.এ.এস, জোন ইন্ডাস্ট্রিয়েল লিসান নর্ড, রুই ক্যাডুরমার্ড ৬৯৮২৭, ফিনে লিয়েজ, ফ্রান্স।

আমদানি, পুনঃ-পাত্র এবং বিপণকদার : বিধকসমহ ইন্ডিয়া লিমিটেড

পঞ্জীকৃত কার্যালয়: ৩ কাংটিয়ান, ১২০৪-সি, ১২ তলা, প্লট নং সি-৭০, 'জি' ব্লক, বান্দ্রা-কুর্লা কমপ্লেক্স, বান্দ্রা (পূর্ব), মুম্বই-৪০০০৫১.

কারখানা : ইউনিট নং ৪, গ্রাম-নিম্বুয়া, পোঃ অঃ- মুরাদনগর-১৪৩২০১, মহকুমা- দেরা বাসসি, জেলা- মোহালি, পাঞ্জাব।

மெட்ராஃபெனோன் 500 G/L SC

அக்ரிஸியோ™

(பூஞ்சணங்கொல்லி)

உபயோகிப்பதற்கு முன்பு கிழேயுடைட படிக்கவும்

அக்ரிஸியோ (மெட்ராஃபெனோன் 500 G/L SC) மக்க ஆற்றல் ஒர